चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	10.07.2020	04	01-06

सलाह • एचएयू के कुलपति ने किसानों से धान की सीधी रोपाई करने का आह्वान किया, कुलपति ने वैज्ञानिकों के साथ किया विचार-विमर्श

'मेरा पानी व मेरी विरासत' को उपयोगी बनाने में मददगार साबित होगी धान की सीधी बिजाई, किसान इसी तकनीक को अपनाएं : प्रो. केपी सिंह

भास्कर न्यूज | हिसार

प्रदेश में भूजल के गिरते स्तर व रिचार्ज को लेकर प्रदेश सरकार की योजना 'मेरा पानी व मेरी विरासत' को सार्थक सिद्ध करने में धान की सीधी बिजाई मददगार साबित होगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने किसानों से धान की सीधी रोपाई करने का आह्वान करते हुए व्यक्त किए। वे धान की सीधी बिजाई वाले क्षेत्रों का दौरा करने वाले वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 'मेरा पानी, मेरी विरासत व प्रवासी मजदूरों की समस्या को ध्यान में रखते हुए किसानों द्वारा काफी क्षेत्रफल में धान की विभिन्न किस्मों की सीधी बिजाई की गई है। किसानों ने धान की सीधी बिजाई प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग व विवि के सस्य विज्ञान विभाग की देखरेख में की है। प्रो. सिंह ने बताया कि फतेहाबाद जिले के रतिया, भूना, फतेहाबाद व टोहाना क्षेत्रों में लगभग 1200 एकड़ भूमि में धान की सीधी बिजाई की गई है।

वैज्ञानिकों की टीम ने किया खेतों का दौरा, समस्या निदान की दी सलाह

एचएयू के सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. सतबीर सिंह पूनिया, कृषि एवं किसान कल्याण रतिया से डॉ. सुखविन्दर दंदीवाल, वैज्ञानिक डॉ. टोडरमल पूनिया व सस्य विज्ञान विभाग के वरिष्ठ तकनीकी सहायक मनजीत जाखड़ की टीम ने धान की सीधी बिजाई करने वाले किसानों के खेतों का निरीक्षण किया। टीम सदस्यों ने बताया कि किसानों की फसल अच्छी खड़ी थी व किसान भी सीधी बिजाई करके खुश थे। डॉ. सतबीर सिंह पूनिया ने बताया कि केवल टोहाना के कुछ क्षेत्रों में बिजाई के तुरन्त बाद बारिश आने व करंड तोड़ने के लिए किसानों द्वारा बार-बार खेत की सिंचाई करने पर खरपतवारों की समस्या पैदा हुई थी। इस क्षेत्र के काफी किसानों ने प्रवासी मजदूरों की आसानी की उपलब्धता होने से सीधी बिजाई वाले खेतों के कद्दू करके धान की पनीरी लगा दी है। इसके अलावा प्रदेश सरकार द्वारा धान की पराली व गेहूं का नाड़ जलाने पर प्रतिबंध लगाने की वजह से गेहूं व धान की फसल में सस्य क्रियाओं में बदलाव से कुछ खेतों में चूहों की समस्या ज्यादा भी देखने को मिली, जिसके नियंत्रण हेतु कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को विभिन्न रसायनिक व पारम्परिक विधियों के बारे में जानकारी दी गई।

खरपतवारों पर नियंत्रण जरूरी, ऐसे करें छिड़काव

खेतों का दौरा करने के बाद वैज्ञानिकों ने बताया कि धान की सीधी बिजाई में खरपतवारों द्वारा नुकसान ही पैदावार में कमी का सबसे बड़ा कारण है। बिजाई के 25-30 दिन बाद काफी खरपतवार उग जाते हैं। इसलिए किसान समय रहते इन खरपतवारों की पहचान करके खरपतवारनाशी द्वारा उनका नियंत्रण करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	10.07.2020	09	03-08

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने किसानों से धान की सीधी रोपाई करने का आह्वान किया

मेरा पानी मेरी विरासत को साबित करेगी धान की सीधी बिजाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

- धान की सीधी बिजाई वाले क्षेत्रों का दौरा करने वाले वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श किया

प्रदेश में भूजल के गिरतेस्तर तथा रिचार्ज को लेकर प्रदेश सरकार द्वारा दिए गए नारे तेरा पानी तथा मेरी विरासत को सार्थक सिद्ध करने में धान की सीधी बिजाई मददगार साबित होगी। यह विचार हकृवि कुलपति प्रो. केपी सिंह ने किसानों से धान की सीधी रोपाई करने का आह्वान करते हुए व्यक्त किए। वे धान की सीधी बिजाई वाले क्षेत्रों का दौरा करने वाले वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मेरा पानी मेरी विरासत व प्रवासी मजदूरों की समस्या को ध्यान में रखते हुए किसानों द्वारा काफी क्षेत्रफल में धान की विभिन्न किस्मों की सीधी बिजाई की गई है। उन्होंने बताया कि किसानों ने धान की सीधी बिजाई प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग व विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग की देखरेख में की है। प्रो. केपी सिंह ने बताया कि फतेहाबाद जिले के रतिया, भूना, फतेहाबाद व टोहाना क्षेत्रों में लगभग 1200 एकड़ भूमि में धान की सीधी बिजाई की गई है।

वैज्ञानिकों की टीम ने किया खेतों का दौरा

हकृवि के सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. सतबीर सिंह पूनिया, कृषि एवं किसान कल्याण रतिया से डॉ. सुखविन्दर दंदीवाल, वैज्ञानिक डॉ. टोडर मल पूनिया व सस्य विज्ञान विभाग के वरिष्ठ तकनीकी सहायक मनजीत जाखड़ की टीम ने धान की सीधी बिजाई किए गए किसानों के खेतों का निरीक्षण किया। सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. सतबीर सिंह पूनिया ने बताया कि केवल टोहाना के कुछ क्षेत्रों में बिजाई के तुरन्त बाद बारिश आने तथा करंड तोड़ने के लिए किसानों द्वारा बार-बार खेत की सिंचाई करने पर खरपतवारों की समस्या पैदा हुई थी। इस क्षेत्र के काफी किसानों ने प्रवासी मजदूरों की आसानी की उपलब्धता होने से सीधी बिजाई वाले खेतों के कद्दू करके धान की पनीरी लगा दी है।

खरपतवारों पर नियंत्रण करना जरूरी

खेतों का दौरा करने के बाद वैज्ञानिकों ने बताया कि धान की सीधी बिजाई में खरपतवारों द्वारा नुकसान ही पैदावार में कमी का सबसे बड़ा कारण है। बिजाई के 25-30 दिन बाद काफी खरपतवार उग जाते है। इसलिए किसान समय रहते इन खरपतवारों की पहचान करके खरपतवारनाशी द्वारा उनका नियंत्रण करें। अगर खरपतवारनाशियों के सही समय तथा मात्रा का उपयोग करने के साथ काश्त के सही ढंग अपनाए जाएं तो खरपतवारों के सही रोकथाम हो जाती है तथा धान की पैदावार कद्दू करके लगाई गई धान के बराबर ही होती है।

हिसार। सीधी बिजाई द्वारा बोई गई धान की फसल। फोटो : हरिभूमि

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	10.07.2020	04	03-05

'मेरा पानी, मेरी विरासत' को साबित करने में मददगार साबित होगी धान की सीधी बिजाई : कुलपति

हिसार, 9 जुलाई (ब्यूरो): प्रदेश में भूजल के गिरते स्तर व रिचार्ज को लेकर प्रदेश सरकार द्वारा दिए गए नारे 'मेरा पानी, मेरी विरासत' को सार्थक सिद्ध करने में धान की सीधी बिजाई मददगार साबित होगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों से धान की सीधी रोपाई करने का आह्वान करते हुए व्यक्त किए। वे धान की सीधी बिजाई वाले क्षेत्रों का दौरा करने वाले वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि 'मेरा पानी मेरी विरासत' व प्रवासी मजदूरों की समस्या को ध्यान में रखते हुए किसानों द्वारा काफी क्षेत्र में धान की विभिन्न किस्मों की सीधी बिजाई की गई है। उन्होंने बताया कि किसानों ने धान की सीधी बिजाई प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग व विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग की देखरेख में की है। प्रोफेसर के.पी. सिंह ने बताया कि फतेहाबाद जिले के रतिया, भूना, फतेहाबाद व टोहाना क्षेत्रों में लगभग 1200 एकड़ भूमि में धान की सीधी बिजाई की गई है।

वैज्ञानिकों की टीम ने किया खेतों का दौरा, समस्या निदान की दी सलाह : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. सतबीर सिंह पूनिया, कृषि एवं किसान कल्याण रतिया से डॉ. सुखविन्दर दंदीवाल, वैज्ञानिक डॉ. टोडर मल पूनिया व सस्य विज्ञान विभाग के वरिष्ठ तकनीकी सहायक मनजीत जाखड़ की टीम ने धान की सीधी बिजाई किए गए किसानों के खेतों का निरीक्षण किया। सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. सतबीर सिंह पूनिया ने बताया कि केवल टोहाना के कुछ क्षेत्रों में बिजाई के तुरन्त बाद बारिश आने व करंड तोड़ने के लिए किसानों द्वारा बार-बार खेत की सिंचाई करने पर खरपतवारों की समस्या पैदा हुई थी।

इस क्षेत्र के काफी किसानों ने प्रवासी मजदूरों की आसानी उपलब्धता के कारण सीधी बिजाई वाले खेतों को कद्दू करके धान की पनीरी लगा दी है। इसके अलावा प्रदेश सरकार द्वारा धान की पराली व गेहूं का नाड़ जलाने पर प्रतिबन्ध लगाने की वजह से गेहूं व धान की फसल में सस्य क्रियाओं में बदलाव से कुछ खेतों में चूहों की समस्या ज्यादा भी देखने को मिली, जिसके नियंत्रण हेतु कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को विभिन्न रसायनिक व पारम्परिक विधियों के बारे में जानकारी दी गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	10.07.2020	03	03

उत्तरी हरियाणा में आज और कल भारी बारिश के आसार

रोहतक/हिसार/करनाल। उत्तरी हरियाणा के जिलों में शुक्रवार और शनिवार को भारी बारिश हो सकती है। वहीं समूचे प्रदेश में 12 तक हल्की बारिश का पूर्वानुमान है। इधर, वीरवार को अंबाला में सर्वाधिक 16.2 एमएम बारिश दर्ज की गई। नारनौल में छह एमएम बारिश हुई। अधिकांश जिलों में दिन भर बादल रहे लेकिन बारिश नहीं हुई। उमस भरी गर्मी से लोग परेशान रहे। मौसम विभाग के अनुसार हरियाणा के उत्तर-पूर्वी और उत्तरी हिस्सों, चंडीगढ़ व पंजाब में भारी बारिश की संभावना है। पंचकूला, अंबाला, करनाल, कैथल, कुरुक्षेत्र और यमुनानगर जिले में 10-12 जुलाई को अच्छी बारिश होगी। मौसम विभाग ने इन जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। भिवानी में सर्वाधिक तापमान 38.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। एक जून से वीरवार सुबह साढ़े आठ बजे तक प्रदेश में 83.8 एमएम बारिश हो चुकी है। जो सामान्य से तीन फीसदी अधिक है। वहीं वीरवार को प्रदेश में 5.7 एमएम औसत बारिश दर्ज की गई। ब्यूरो

मानसून की टर्फ रेखा अब मैदानी क्षेत्रों से हिमालय की तलहटियों की तरफ बढ़ रही है। इससे बंगाल की नमी वाली हवाएं आने से उत्तरी हरियाणा, हिमाचल, पंजाब और उत्तराखंड में अधिक बारिश होगी। - डॉ. मदन खीचड़, अध्यक्ष, कृषि मौसम विभाग, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	09.07.2020	--	--

हकृवि कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों से धान की सीधी रोपाई करने का आह्वान किया

'मेरा पानी व मेरी विरासत' को साबित करने में मददगार साबित होगी धान की सीधी बिजाई : प्रो. सिंह

पांच बजे न्यूज

हिसार। प्रदेश में भूजल के गिरते स्तर व रिचार्ज को लेकर प्रदेश सरकार द्वारा दिए गए नारे 'मेरा पानी व मेरी विरासत' को सार्थक सिद्ध करने में धान की सीधी बिजाई मददगार साबित होगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों से धान की सीधी रोपाई करने का आह्वान करते हुए व्यक्त किए। वे धान की सीधी बिजाई वाले क्षेत्रों का दौरा करने वाले वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 'मेरा पानी मेरी विरासत' व प्रवासी मजदूरों की समस्या को ध्यान में रखते हुए किसानों द्वारा काफी क्षेत्रफल में धान की विभिन्न किस्मों की सीधी बिजाई की गई है। उन्होंने बताया कि किसानों ने धान की सीधी बिजाई प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग व विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग की देखरेख में की है। प्रो. सिंह ने बताया कि फतेहाबाद जिले के रतिया, भूना, फतेहाबाद व टोहाना क्षेत्रों में लगभग 1200 एकड़ भूमि में धान की सीधी बिजाई की गई है।

वैज्ञानिकों की टीम ने किया खेतों का दौरा, समस्या निदान की दी सलाह

हकृवि के सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. सतबीर सिंह पूनिया, कृषि एवं किसान कल्याण रतिया से डॉ. सुखविन्दर दंदीवाल, वैज्ञानिक डॉ. टोडर मल पूनिया व सस्य विज्ञान विभाग के वरिष्ठ तकनीकी सहायक मनजीत जाखड़ की टीम ने धान की सीधी बिजाई किए गए किसानों के खेतों का निरीक्षण किया। टीम सदस्यों ने बताया कि किसानों की फसल अच्छी खड़ी थी व किसान भी सीधी बिजाई करके खुश थे। सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. सतबीर सिंह पूनिया ने बताया कि केवल टोहाना के कुछ क्षेत्रों में बिजाई के तुरन्त बाद बारिश आने व करंड तोड़ने के लिए किसानों द्वारा बार-बार खेत की सिंचाई करने पर खरपतवारों की समस्या पैदा हुई थी। इस क्षेत्र के काफी किसानों ने प्रवासी मजदूरों की

आसानी की उपलब्धता होने से सीधी बिजाई वाले खेतों के कद्दू करके धान की पनीरी लगा दी है। इसके अलावा प्रदेश सरकार द्वारा धान की पराली व गेहूं का नाड़ जलाने पर प्रतिबन्ध लगाने की वजह से गेहूं व धान की फसल में सस्य क्रियाओं में बदलाव से कुछ खेतों में चूहों की समस्या ज्यादा भी देखने को मिली, जिसके नियंत्रण हेतु कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को विभिन्न रसायनिक व पारम्परिक विधियों के बारे में जानकारी दी गई।

खरपतवारों पर नियंत्रण जरूरी, ऐसे करें दवा छिड़काव

खेतों का दौरा करने के बाद वैज्ञानिकों ने बताया कि धान की सीधी बिजाई में खरपतवारों द्वारा नुकसान ही पैदावार में कमी का सबसे बड़ा कारण है। बिजाई के 25 - 30 दिन बाद काफी खरपतवार उग जाते है। इसलिए किसान समय रहते इन खरपतवारों की पहचान करके खरपतवारनाशी द्वारा उनका नियंत्रण करें। अगर खरपतवारनाशियों के सही समय व मात्रा का उपयोग करने के साथ कास्त के सही ढ़ग अपनाये जाएं तो खरपतवारों के सही रोकथाम हो जाती है तथा धान की पैदावार कद्दू करके लगाई गई धान के बराबर ही होती है। उन्होंने कहा कि खेत में बड़ा सांवक (मौंका), छोटा सांवक, डीला (मोथा) उग जाने पर किसान नोमिनी गोल्ड या तारक (बिसपाईरी बैक सोडियम), 100 मिलीलीटर प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव करें। चीनी घास के लिए विवाया (पीनोक्सूलमन साईंटैलोफोफ मिथाइल) 900 मिलीलीटर प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़कें यह खरपतवारनाशक गांठ वाले डीले को भी मारता है। इसके अलावा घास जाति के खरपतवार जैसे कि मधाना, मकड़ा, चीनी घास, पैरा घास, तकड़ी घास आदि उगने पर राईसस्टार 6.7 प्रतिशत (फिनोक्साप्रोप पी ईथाईल) 400 मिलीलीटर प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव करें। वैज्ञानिकों के अनुसार अगर धान में चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार (मिर्च बुटी, तांदला, कोधरा, सांठी, कनकुआ, चौलाई, हुलहुल इत्यादि) व मोथा जाति (गांठ वाला मोथा, छातरी वाला मोथा, बड़ा काली गांठ वाला डीला) उग आए तो एलमिक्स 8 ग्राम या सनराइस 50 ग्राम या 2,4 डी 500 मिलीलीटर प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव करें। सभी खरपतवारनाशियों का छिड़काव पहले दिन खेत में से पानी निकालकर 120 लीटर पानी में घोल कर प्रति एकड़ के हिसाब से फलैट फैन वाली नोजल द्वारा छिडकाव करें। अगर खेत में एक से ज्यादा नदीननाशकों का प्रयोग करना पड़े तो छिड़काव में एक सप्ताह का अन्तर जरूर रखें। कभी भी दो दवाइयों को मिलाकर छिड़काव न करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	09.07.2020	--	--

'मेरा पानी व मेरी विरासत' को साबित करने में मददगार साबित होगी धान की सीधी बिजाई : प्रोफेसर के.पी. सिंह

रतिया, भूना, फतेहाबाद व टोहाना क्षेत्रों में लगभग 1200 एकड़ में है धान की सीधी बिजाई

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। प्रदेश में भूजल के गिरते स्तर व रिचार्ज को लेकर प्रदेश सरकार द्वारा दिए गए नारे 'मेरा पानी व मेरी विरासत' को सार्थक सिद्ध करने में धान की सीधी बिजाई मददगार साबित होगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों से धान की सीधी रोपाई करने का आह्वान करते हुए व्यक्त किए। वे धान की सीधी बिजाई वाले क्षेत्रों का दौरा करने वाले वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 'मेरा पानी मेरी विरासत' व प्रवासी मजदूरों की समस्या को ध्यान में रखते हुए किसानों द्वारा काफी क्षेत्रफल में धान

की विभिन्न किस्मों की सीधी बिजाई की गई है। उन्होंने बताया कि किसानों ने धान की सीधी बिजाई प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग व विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग की देखरेख में की है। प्रोफेसर के.पी. सिंह ने बताया कि फतेहाबाद जिले के रतिया, भूना, फतेहाबाद व टोहाना क्षेत्रों में लगभग 1200 एकड़ भूमि में धान की सीधी बिजाई की गई है।

वैज्ञानिकों की टीम ने किया खेतों का दौरा, समस्या निदान की दी सलाह

विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. सतबीर सिंह पूनिया, कृषि एवं किसान कल्याण रतिया से डॉ. सुखविन्दर दंदीवाल, वैज्ञानिक डॉ. टोडर मल पूनिया व सस्य विज्ञान विभाग के वरिष्ठ तकनीकी सहायक मनजीत जाखड़ की टीम ने धान की सीधी बिजाई किए गए किसानों के खेतों का निरीक्षण किया। टीम सदस्यों ने बताया कि किसानों की फसल अच्छी खड़ी थी व किसान भी सीधी बिजाई करके खुश थे। सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. सतबीर सिंह पूनिया ने बताया कि केवल टोहाना के कुछ क्षेत्रों में बिजाई के तुरन्त बाद बारिश आने व करंड तोड़ने के लिए किसानों द्वारा बार-बार खेत की सिंचाई करने पर खरपतवारों की समस्या पैदा हुई थी। इस क्षेत्र के काफी किसानों ने प्रवासी मजदूरों की आसानी की उपलब्धता होने से सीधी बिजाई वाले खेतों के कद्दू करके धान की पनीरी लगा दी है। इसके अलावा प्रदेश सरकार द्वारा धान की पराली व गेहूं का नाड़ जलाने पर प्रतिबन्ध लगाने की वजह से गेहूं व धान की फसल में सस्य क्रियाओं में बदलाव से कुछ खेतों में चूहों की समस्या ज्यादा भी देखने को मिली, जिसके नियंत्रण हेतु कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को विभिन्न रसायनिक व पारम्परिक विधियों के बारे में जानकारी दी गई।

खरपतवारों पर नियंत्रण जरूरी, ऐसे करें दवा छिड़काव

खेतों का दौरा करने के बाद वैज्ञानिकों ने बताया कि धान की सीधी बिजाई में खरपतवारों द्वारा नुकसान ही पैदावार में कमी का सबसे बड़ा कारण है। बिजाई के 25 -30 दिन बाद काफी खरपतवार उग जाते है। इसलिए किसान समय रहते इन खरपतवारों की पहचान करके खरपतवारनाशी द्वारा उनका नियंत्रण करें। अगर खरपतवारनाशियों के सही समय व मात्रा का उपयोग करने के साथ काश्त के सही ढंग अपनाये जाएं तो खरपतवारों के सही रोकथाम हो जाती है तथा धान की पैदावार कद्दू करके लगाई गई धान के बराबर ही होती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	09.07.2020	--	--

धान की सीधी बिजाई लाभदायक : कुलपति

हिसार/09 जुलाई/रिपोर्टर

प्रदेश में भूजल के गिरते स्तर व रिचार्ज को लेकर प्रदेश सरकार द्वारा दिए गए नारे 'मेरा पानी व मेरी विरासत' को सार्थक सिद्ध करने में धान की सीधी बिजाई मददगार साबित होगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने किसानों से धान की सीधी रोपाई करने का आह्वान करते हुए व्यक्त किए। वे धान की सीधी बिजाई वाले क्षेत्रों का दौरा करने वाले वैज्ञानिकों से विचार.विमर्श कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 'मेरा पानी मेरी विरासत' व प्रवासी मजदूरों की समस्या को ध्यान में रखते हुए किसानों द्वारा काफी क्षेत्रफल में धान की विभिन्न किस्मों की सीधी बिजाई की गई है। उन्होंने बताया कि किसानों ने धान की सीधी बिजाई प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग व विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग की देखरेख में की है। प्रोफेसर केपी सिंह ने बताया कि फतेहाबाद जिले के रतिया, भूना, फतेहाबाद व टोहाना क्षेत्रों में लगभग 1200 एकड़ भूमि में धान की सीधी बिजाई की गई है। सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. सतबीर सिंह पूनिया व उनकी टीम सदस्यों ने बताया कि किसानों की फसल अच्छी खड़ी थी व किसान भी सीधी बिजाई करके खुश थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	09.07.2020	--	--

हरे चारे के साथ-साथ आमदनी बढ़ाने में भी सहायक ज्वार की फसल : प्रोफेसर के.पी. सिंह

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 9 जुलाई : चारा फसलों में किसान ज्वार की बिजाई कर हरे चारे के साथ-साथ अपनी आमदनी का जरिया भी बढ़ा सकते हैं। इसके लिए किसानों को उन्नत किस्मों के अधिक उत्पादन देने वाले बीज ही प्रयोग करने चाहिए। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों को सलाह देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भारत जैसे कृषि प्रधान देश की अर्थव्यवस्था में पशुधन एवं पशुपालकों का महत्वपूर्ण स्थान है। देश के ग्रामीण क्षेत्रों में 70 से 80 प्रतिशत लोगों की आजीविका का साधन आज भी कृषि व पशुपालन है। इसलिए पशुओं के अच्छे स्वास्थ्य व अधिक पशु उत्पादन के लिए गुणवत्तापूर्ण हरे चारे की उपलब्धता अत्यावश्यक है। चारा

फसलों में ज्वार गर्मी व खरीफ मौसम की एक महत्वपूर्ण फसल है। हरे चारे के रूप में ज्वार पशुओं की पहली पसन्द है। उन्होंने कहा कि किसान अपने पशुओं के लिए चारे की आपूर्ति करने के साथ-साथ हरे चारे की बिक्री कर अपनी आमदनी भी बढ़ा सकते हैं, क्योंकि हरे चारे में ज्वार की डिमांड बहुत अधिक रहती है और यह प्रतिकुल परिस्थितियों में भी बोई जा सकती है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि हरा व मीठा चारा, जल्द बढ़ने की क्षमता और अधिक चारा उत्पादन का गुण ही ज्वार को आदर्श चारा फसल बनाता है। ज्वार के हरे चारे में पौष्टिकता की दृष्टि से प्रोटीन (7 से 10 प्रतिशत), फाइबर (30 से 32 प्रतिशत) और लिग्निन (6 से 7 प्रतिशत) पाए जाते हैं जो अन्य चारों की अपेक्षा इसकी पाचन क्रिया, स्वादिष्टता एवं पशु स्वास्थ्य को बनाए रखने में अधिक उपयोगी होते हैं। आनुवांशिकी व पौध प्रजनन विभाग के चारा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. डीएस फोगाट, ज्वार विषेशज्ञ डॉ. सतपाल व ज्वार प्रजनक डॉ. पम्मी कुमारी ने बताया कि किसान ज्वार की उन्नत किस्में लगाकर किसान चारा उत्पादन के साथ-साथ अपनी आमदनी भी बढ़ा सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	09.07.2020	--	--

'मेरा पानी व मेरी विरासत' को साबित करने में मददगार होगी धान की सीधी बिजाई : प्रो. सिंह

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 9 जुलाई : प्रदेश में भूजल के गिरते स्तर व रिर्चाज को लेकर प्रदेश सरकार द्वारा दिए गए नारे 'मेरा पानी व मेरी विरासत' को सार्थक सिद्ध करने में धान की सीधी बिजाई मददगार साबित होगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों से धान की सीधी रोपाई करने का आह्वान करते हुए व्यक्त किए। वे धान की सीधी बिजाई वाले क्षेत्रों का दौरा करने वाले वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 'मेरा पानी मेरी विरासत' व प्रवासी मजदूरों की समस्या को ध्यान में रखते हुए किसानों द्वारा काफी क्षेत्रफल में धान की विभिन्न किस्मों की सीधी बिजाई की गई है। उन्होंने बताया कि किसानों ने धान की सीधी बिजाई प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग व विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग की देखरेख में की है। प्रोफेसर के.पी. सिंह ने बताया कि फतेहाबाद जिले के रतिया, भूना, फतेहाबाद व टोहाना क्षेत्रों में लगभग 1200 एकड़ भूमि में धान की सीधी बिजाई की गई है। सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. सतबीर सिंह पूनिया, कृषि एवं किसान कल्याण रतिया से डॉ. सुखविन्दर दंदीवाल, वैज्ञानिक डॉ. टोडर मल पूनिया व सस्य विज्ञान विभाग के वरिष्ठ तकनीकी सहायक मनजीत जाखड़ की टीम ने धान की सीधी बिजाई किए गए किसानों के खेतों का निरीक्षण किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति टाईम्स	09.07.2020	--	--

'मेरा पानी व मेरी विरासत' को साबित करने में मददगार साबित होगी धान की सीधी बिजाई : प्रो. केपी सिंह

हकृवि कुलपति प्रो. केपी सिंह ने किसानों से धान की सीधी रोपाई करने का आह्वान किया

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। प्रदेश में भूजल के गिरते स्तर व रिर्चाज को लेकर प्रदेश सरकार द्वारा दिए गए नारे 'मेरा पानी व मेरी विरासत' को सार्थक सिद्ध करने में धान की सीधी बिजाई मददगार साबित होगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों से धान की सीधी रोपाई करने का आह्वान करते हुए व्यक्त किए। वे धान की सीधी बिजाई वाले क्षेत्रों का दौरा करने वाले वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 'मेरा पानी मेरी विरासत' व प्रवासी मजदूरों की समस्या को ध्यान में रखते हुए किसानों द्वारा काफी क्षेत्रफल में धान की विभिन्न किस्मों की सीधी बिजाई की गई है। उन्होंने बताया कि किसानों ने धान की सीधी बिजाई प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग व विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग की देखरेख में की है। प्रोफेसर के.पी. सिंह ने बताया कि फतेहाबाद जिले के रतिया, भूना, फतेहाबाद व टोहाना क्षेत्रों में लगभग 1200 एकड़ भूमि में धान की सीधी बिजाई की गई है।

वैज्ञानिकों की टीम ने किया खेतों का दौरा

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. सतबीर सिंह पूनिया, कृषि एवं किसान कल्याण रतिया से डॉ. सुखविन्दर दंदीवाल, वैज्ञानिक डॉ. टोडर मल पूनिया व सस्य विज्ञान विभाग के वरिष्ठ तकनीकी सहायक मनजीत जाखड़ की टीम ने धान की सीधी बिजाई किए गए किसानों के खेतों का निरीक्षण किया। टीम सदस्यों ने बताया कि किसानों की फसल अच्छी खड़ी थी व किसान भी सीधी बिजाई करके खुश थे। सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. सतबीर सिंह पूनिया ने बताया कि केवल टोहाना के कुछ क्षेत्रों में बिजाई के तुरन्त बाद बारिश आने व करंड तोड़ने के लिए किसानों द्वारा बार-बार खेत की सिंचाई करने पर खरपतवारों की समस्या पैदा हुई थी। इस क्षेत्र के काफी किसानों ने प्रवासी मजदूरों की आसानी की उपलब्धता होने से सीधी बिजाई वाले खेतों के कद्दू करके धान की पनीरी लगा दी है। प्रदेश सरकार द्वारा धान की पराली व गेहूं का नाड़ जलाने पर प्रतिबन्ध लगाने की वजह से गेहूं व धान की फसल में सस्य क्रियाओं में बदलाव से कुछ खेतों में चूहों की समस्या ज्यादा भी देखने को मिली, जिसके नियंत्रण हेतु कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को विभिन्न रसायनिक व पारम्परिक विधियों के बारे में जानकारी दी गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (जीवन आधार)	09.07.2020	--	--

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने किसानों से धान की सीधी रोपाई करने का आह्वान किया

हिसार,
प्रदेश में भूजल के गिरते स्तर व रिर्चाज को लेकर प्रदेश सरकार द्वारा दिए गए नारे 'मेरा पानी व मेरी विरासत' को सार्थक सिद्ध करने में धान की सीधी बिजाई मददगार साबित होगी। इसलिए किसानों को धान की सीधी रोपाई करनी चाहिए।
यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने किसानों से धान की सीधी रोपाई करने का आह्वान करते हुए कही। वे धान की सीधी बिजाई वाले क्षेत्रों का दौरा करने वाले वैज्ञानिकों से विचाार-विमर्श कर रहे
उन्होंने कहा कि 'मेरा पानी व मेरी विरासत' व प्रवासी मजदूरों की समस्या को ध्यान में रखते हुए किसानों द्वारा काफि क्षेत्रफल में धान की विभिन्न किस्मों की सीधी बिजाई

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (यूनिक हरियाणा)	**09.07.2020**	--	--

मेरा पानी व मेरी विरासत' को साबित करने में मददगार साबित होगी धान की सीधी बिजाई : प्रोफेसर के.पी. सिंह

July 9, 2020 • Rakesh • Haryana News

हिसार : 9 जुलाई

प्रदेश में भूजल के गिरते स्तर व रिर्चाज को लेकर प्रदेश सरकार द्वारा दिए गए नारे 'मेरा पानी व मेरी विरासत' को सार्थक सिद्ध करने में धान की सीधी बिजाई मददगार साबित होगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों से धान की सीधी रोपाई करने का आह्वान करते हुए व्यक्त किए। वे धान की सीधी बिजाई वाले क्षेत्रों का दौरा करने वाले वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 'मेरा पानी मेरी विरासत' व प्रवासी मजदूरों की समस्या को ध्यान में रखते हुए किसानों द्वारा काफी क्षेत्रफल में धान की विभिन्न किस्मों की सीधी बिजाई की गई है। उन्होंने बताया कि किसानों ने धान की सीधी बिजाई प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग व विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग की देखरेख में की है। प्रोफेसर के.पी. सिंह